MP BOARD CLASS 10 SOCIAL SCIENCE MODEL PAPER 3 WITH ANSWER

:: खण्ड - अ ::

वस्तुनिष्ठ प्रश्न -

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिएः

(अ) भारत में रेल्वे जोन की संख्या है-

(i) 9 (ii) 16 (iii) 14 (iv) 15

(ब) घाना पक्षी विहार स्थित है-

(i) केरल में (ii) राजस्थान में (iii) पश्चिम बंगाल में (iv) मध्यप्रदेश में

(स) भारत की औद्योगिक नीति की घोषणा किस वर्ष में की गई-

(i) 1947 (ii) 1951 (iii) 1948 (iv) 1972

(द) लाला लाजपत राय ने कौन से समाचार-पत्र के माध्यम से जनता को संघर्ष के लिये प्रेरित किया।

(i) केसरी (ii) संवाद कौमुदी (iii) हिन्दुस्तान (iv) कायस्थ समाचार

(इ) प्रो. अमर्त्य सेन ने विकास का आधार माना-

(i) सम्पन्नता (ii) आत्म निर्भरता (iii) जन कल्याण (iv) विदेशी व्यापार

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

(1) भारतीय कृषक लगभग .... माह तक बेकार रहते हैं।

(2) जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचक का निर्माण .... ने किया है।

(3) रिक्टर पैमाने पर .... मापा जाता है।

(4) राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस .... को मनाया जाता है।

(5) .... को समाजवाद का जनक माना जाता है।

प्रश्न 3. सही जोड़ी बनाइये।

(अ) निर्मल नीर योजना	(1) भारतीय मानक संस्थान
(ब) यूनाइटेड टेलीकॉम	(2) केरल
(स) आई.एस.आई.	(3) डॉ. अम्बेडकर
(द) पेरियार	(4) पेयजल आपूर्ति हेतु योजना
(इ) संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष	(5) नेपाल

प्रश्न 4. सत्य/असत्य बताइएः

(अ) विधानसभा राज्य की विधान मण्डल या विधान परिषद् को कहते हैं।

(ब) ताशकन्द समझौता भारत और रूस के बीच हुआ था।

(स) नमक कानून 1942 में तोड़ा गया था।

(द) चक्रवात के समय सबसे असुरक्षित क्षेत्र समुद्री तह होता है।

(इ) विशाखापट्टनम् में देश का सर्वाधिक गहरा व सुरक्षित बंदरगाह है।

प्रश्न 5. प्रत्येक का एक वाक्य/शब्द में उत्तर दीजिए:

(अ) वायु का वेग मापने की इकाई क्या है?

(ब) श्वेत क्रान्ति का सम्बन्ध किससे है?

(स) कॉस्ट कला प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना कब और कहाँ की गई है?

(द) लोकसभा को भंग करने का अधिकार किसके पास होता है?

(इ) 2001 की जनगणना में भारत की साक्षरता का प्रतिशत था।

:: खण्ड - ब ::

प्रश्न 6. सामाजिक वानिकी योजना क्या है?

अथवा

" जल-संरक्षण के प्रमुख उपायलिखिए।

प्रश्न 7. उग्रराष्ट्रवादी विचारधारा के प्रमुख नेताओं के नाम बताइए।

अथवा

राष्ट्रीय जागृति के विकास में किन भारतीय समाचार-पत्रों ने अपनी भूमिका निभाई थी ? लिखिए।

प्रश्न 8. आर्थिक नियोजन का अर्थ बताइए।

अथवा

भारत में नियोजन की सफलताएँ बताइए। (कोई 2)

प्रश्न 9. अर्थव्यवस्था के प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्र को उदाहरण की सहायता से समझाइए।

अथवा

ऊर्जा एवं परिवहन का महत्त्व लिखिए।

प्रश्न 10. उपभोक्ता जागरूकता का आशय उदाहरणों के द्वारा स्पष्ट कीजिए?

अथवा

उपभोक्ता के कोई पाँच कर्तव्य लिखिए।

प्रश्न 11. मानव जीवन में मृदा का क्या महत्त्व है? समझाइए।

अथवा

भौम जल पाने के स्रोत क्या हैं?

प्रश्न 12. उद्योग किसे कहते हैं?

अथवा

भारत में लोहे का वर्गीकरण कीजिए।

प्रश्न 13. तात्या टोपे की सन् 1857 की क्रांति में भूमिका को समझाइए।

अथवा

भारत में राष्ट्रीय जागृति के कारणों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 14. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के लिये
उत्तरदायी कारणों का विवरण दीजिए।

अथवा

कांग्रेस की स्थापना के क्या उद्देश्य लिखिए।

प्रश्न 15. भारत में लोहा-इस्पात उद्योग के उत्पादन एवं वितरण के वर्णन कीजिए।

अथवा

प्रदूषण से मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? बताइए।

प्रश्न 16. परिवहन के साधन मानव सभ्यता की प्रगति के पथ-प्रदर्शक कैसे हैं? लिखिए।

अथवा

किन्हीं चार संचार साधनों के बारे में लिखिए। http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 17. आपदा प्रबन्धन से क्या आशय है? आपदा प्रबन्धन के मुख्य तत्व बताइए।

अथवा

सुनामी से क्या आशय है? भारत में सुनामी प्रभावित क्षेत्र कौन-से हैं?

प्रश्न 18. असहयोग आन्दोलन क्यों प्रारम्भ हुआ?
इसे क्यों स्थगित किया गया? इसके क्या प्रभाव पड़े?

अथवा

साइमन कमीशन कब और क्यों भेजा गया था ? भारतीयों द्वारा इसका विरोध क्यों किया गया?

प्रश्न 19. भारत और चीन युद्ध के क्या परिणाम हुए? लिखिए।

अथवा

भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार से कबायलियों का मार्ग बंद करने को क्यों कहा था ? लिखिए।

प्रश्न 20. भारत का संविधान लिखित और विस्तृत क्यों है? वर्णन कीजिए।

अथवा

संघात्मक एवं संसदीय शासन व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

प्रश्न 21.समाजवाद के प्रमुख दोष बतलाइए।

अथवा

समाजवादी आर्थिक प्रणाली क्या है? एवं इसकी विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न 22. भारत के मानचित्र में निम्नलिखित को दर्शाइए-

(i) दिल्ली, विशाखापटनम्, भिलाई, भोपाल, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता।

(ii) चावल उत्पादक क्षेत्र

(iii) सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान (चेरापूँजी)

(iv) सांताक्रुज, पालम व दमदम हवाई अड्डा

(v) अरब सागर

(vi) थार का मरुस्थल

(vii) चिल्का झील

(viii) दिल्ली से कोलकाता रेलमार्ग

(ix) आगरा से मुम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग

अथवा

निम्न मौसमी दशाओं को स्पष्ट करने हेतु संकेत बनाइए-

(1) प्रबल समीर, (2) सम झंझावत, (3) झंझा, (4) प्रबल झंझा, (5) पूर्ण झंझा।

प्रश्न 23. स्वतन्त्रता संग्राम के इतिहास में 1929 के लाहौर अधिवेशन का क्या महत्व है?

अथवा

क्रिप्स मिशन को क्यों और कब भारत भेजा गया था?

प्रश्न 24. भारत-चीन युद्ध में एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा चीन ने क्यों की ? वर्णन कीजिए।

अथवा

1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान की पराजय के क्या कारण थे?

प्रश्न 25. राष्ट्रपति के संकटकालीन अधिकारों का वर्णन करो।

अथवा

लोकसभा अध्यक्ष के कार्य बताइये।

प्रश्न 26. बेरोजगारी के परिणाम बतलाइए।

अथवा

आतंकवाद को दूर करने के उपाय लिखिए।

ANSWER

:: खण्ड (अ) ::

उत्तर-. (अ) (ii), (ब) (ii), (स) (iii), (द) (i), (इ) (iii)।

उत्तर-2. (1) छः, (2) भौरिस, (3) भूकम्पन, (4) 24 दिसम्बर, (5) कार्ल मार्क्स।

उत्तर-3. (अ) 4, (ब) 5, (स) 1, (द) 2, (इ) 3

उत्तर-4. (अ) सत्य, (ब) असत्य, (स) असत्य, (द) सत्य, (इ) सत्य।

उत्तर-5. (अ) नॉट, (ब) दुग्ध उत्पादन, (स) देहरादून में 1965 में, (द) राष्ट्रपति, (इ) 64.8%

:: खण्ड (ब) ::

प्रश्न 6. सामाजिक वानिकी योजना क्या है?

उत्तर- सामाजिक वानिकी योजना- विश्व बैंक की वित्तीय सहायता से वृक्षारोपण की योजना शुरू की गई। इसमें चक्र-वानिकी, विस्तार-वानिकी एवं शहरी-वानिकी के अन्तर्गत खेतों , सड़कों और रेल लाइनों के किनारे वृक्षारोपण किया गया।

अथवा

जल-संरक्षण के प्रमुख उपाय लिखिए।

उत्तर- जल-संरक्षण के उपाय- जल संसाधन की सीमित आपूर्ति, तेजी से बढ़ती हुई माँग और इसकी असमान उपलब्धता के कारण संरक्षण आवश्यक है। इसके लिए निम्नलिखित उपाय किए जाने चाहिए-

(1) वर्षा-जल संग्रहण तथा इसके व्यर्थ प्रवाह को रोकना।

(2) छोटे-बड़े सभी नदी जल स्रोतों का वैज्ञानिक प्रबन्धन।

(3) जल को प्रदूषित होने से बचाना।

प्रश्न 7. उग्रराष्ट्रवादी विचारधारा के प्रमुख नेताओं के नाम बताइए।

उत्तर- लाला लाजपत राय , बाल गंगाधर तिलक , विपिनचन्द्र पाल आदि उग्र राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रमुख नेता थे।

अथवा

राष्ट्रीय जागृति के विकास में किन भारतीय समाचार-पत्रों ने अपनी भूमिका निभाई थी ? लिखिए।

उत्तर- राष्ट्रीय जागृति के विकास में 'संवाद कौमुदी', अमृत बाजार पत्रिका , 'बम्बई समाचार', केसरी, मराठा, हिन्दू पैट्रियट , स्वदेशी मित्रम् , आर्य दर्शन आदि समाचारपत्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रश्न 8. आर्थिक नियोजन का अर्थ बताइए।

उत्तर- आर्थिक नियोजन का आशय एक ऐसी प्रक्रिया है , जिसमें एक निर्धारित अवधि में सुनिश्चित एवं स्पष्ट लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आर्थिक संसाधनों का उपयोग किया जाता है। आर्थिक नियोजन के लिए दो बातें अनिवार्य हैं-

(i) पूर्व निर्धारित लक्ष्य, जिन्हें प्राप्त किया जाता है।

(ii) निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उपलब्ध साधन तथा उपयोग करने का ब्यौरा।

अथवा

भारत में नियोजन की सफलताएँ बताइए। (कोई 2)

उत्तर- भारत में नियोजन की प्रमुख सफलताएँनिम्नानुसार रहीं

1. राष्ट्रीय आय एवं प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि- वर्ष 1950-51 ई. में तत्कालीन कीमतों के आधार पर राष्ट्रीय आय केवल 9,142 करोड़ रूपए थी, जो बढ़कर 28, 46,792 करोड़ के हो गई। इसी प्रकार प्रतिव्यक्ति आय इसी अवधि में 255 रूपए से बढ़कर 25,716 रूपए हो गई।

2. बचत व विनियोग दर में वृद्धि- आर्थिक विकास हेतु राष्ट्रीय आय में से कुछ भाग विनियोजित (उत्पादन कार्य में) किया जाता है। चालू मूल्य पर सन् 1950-51 ई. में राष्ट्रीय उत्पादन का केवल 8.9 व 8.7 प्रतिशत थी, जो बढ़कर क्रमशः 32.4 व 33.8 प्रतिशत हो गई।

प्रश्न 9. अर्थव्यवस्था के प्राथमिक एवं द्वितीयक क्षेत्र को उदाहरण की सहायता से समझाइए।

उत्तर- प्राथमिक क्षेत्र- प्राकृतिक संसाधनों पर प्रत्यक्ष रूप से आधारित गतिविधियों को प्राथमिक क्षेत्र कहा जाता उदाहरण- कृषि उपज- फसलों को उपजाने के लिए मुख्यतः प्राकृतिक कारकों जैसे मिट्टी, वर्षा, सूर्य का प्रकाश, वायु आदि पर निर्भर रहना पड़ता है, अतः कृषि उपज एक प्राकृतिक उत्पाद है। इसी प्रकार वन , पशुपालन, मछली पालन, खनिज आदि को भी प्राथमिक क्षेत्र के अन्तर्गत लिया गया है। द्वितीयक क्षेत्र- 'इस क्षेत्र की गतिविधियों के अन्त्रगत प्राकृतिक उत्पादों को विनिर्माण प्रणाली के माध्यम से अन्य रूपों में परिवर्तित किया जाता है। उदाहरण- लोहे से मशीन बनाना, तथा कपास से कपड़ा बनाना आदि।

अथवा

ऊर्जा एवं परिवहन का महत्त्व लिखिए। http://www.mpboardonline.com

उत्तर- अधोसंरचना के प्रमुख अंगों में ऊर्जा और परिवहन की प्रमुख भूमिका रही है-

(i) ऊर्जा- किसी भी देश का आर्थिक विकास उपलब्ध ऊर्जा के साधनों पर निर्भर करता है। कृषि, उद्योग, खनिज और परिवहन आदि सभी क्षेत्रों में ऊर्जा की आवश्यकता पड़ती है। ऊर्जा के स्त्रोत- ऊर्जा के विभिन्न स्रोत हैं , जिनमें विद्युत, कोयला, लिग्नाइट, खनिज तेल और प्राकृतिक गैस आदि हैं। विद्युत उत्पादन के तीन प्रमुख स्रोत- जल विद्युत , तापीय विद्युत एवं अणु विद्युत हैं।

(ii) परिवहन- किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में परिवहन का महत्त्वपूर्ण स्थान है। रेल परिवहन- भारतीय रेलवे प्रणाली एशिया में प्रथम और विश्व में दूसरे स्थान पर है। सड़क परिवहन- देश में 33.4 लाख कि.मी. लम्बी सड़कें हैं। वर्तमान में स्वर्णिम चतुर्भुज सड़क योजना अपने ढंग की अनूठी योजना पूर्णता की ओर है। जल परिवहन- देश में आन्तरिक एवं सामुद्रिक परिवहन। देश में 12 बड़े तथा 187 छोटे बन्दरगाह है। भारत का 90% व्यापार जल परिवहन द्वारा सम्पन्न होता है।

प्रश्न 10.उपभोक्ता जागरूकता का आशय उदाहरणों के द्वारा स्पष्ट कीजिए?

उत्तर- उपभोक्ता जागरूकता से आशय उपभोक्ता को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने से है। उत्पादक एवं विक्रेता उपभोक्ताओं को कई प्रकार से शोषण करते हैं , जैसे-कम तौलना, अधिक कीमत लेना, बिल न देना, मिलावट करना, नकली वस्तु देना आदि। उपभोक्ता जागरूकता ही उन्हें उत्पादकों एवं विक्रेताओं के शोषण से बचाती है।

अथवा

उपभोक्ता के कोई पाँच कर्तव्य लिखिए।

उत्तर- उपभोक्ता के कर्तव्य- उपभोक्ता के निम्नलिखित कर्तव्य हैं-

1. उपभोक्ता संरक्षक नियमों की जानकारी रखना।

2. काला बाजारी एवं तस्करी को निष्क्रिय करना।

3. बिल, रसीद, गारण्टी कार्ड आदि लेना एवं उन्हें संभाल कर रखना।

4. वास्तविक समस्या की शिकायत करना आवश्यक है , चाहे वस्तु कितनी ही कम मूल्य की क्यों न हो, इससे विक्रताओं में ठगी की प्रवृत्ति में कमी आएगी।

5. वस्तु की पूर्ति के अनुसार ही उपभोग में वृद्धि या कमी करना।

प्रश्न 11. मानव जीवन में मृदा का क्या महत्त्व है? समझाइए।

उत्तर- मानव-जीवन में मृदा का महत्त्व बहुत अधिक है , विशेषकर किसानों के लिए। समस्त मानव जीवन मिट्टी पर ही निर्भर है। समस्त प्राणियों का भोजन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मिट्टी से ही प्राप्त होता है। हमारा पशुपालन उद्योग , कृषि और वनोद्योग मिट्टी पर आधारित है। भारत में करोड़ों घर मिट्टी के बने हुए हैं।

अथवा

भौम जल पाने के स्रोत क्या हैं?

उत्तर- भौम जल पाने के स्रोत कुएँ, ट्यूबवेल एवं भूगर्भिक स्रोत (झरने) है।

प्रश्न 12. उद्योग किसे कहते हैं? http://www.mpboardonline.com

http://www.mpboardonline.com

उत्तर- मनुष्य द्वारा प्राकृतिक कारकों के सहयोग से किसी वस्तु का निर्माण करने का कार्य उद्योग कहलाता है।

अथवा

भारत में लोहे का वर्गीकरण कीजिए।

उत्तर- लोहा चार प्रकार का होता है- हेमेटाइट (Haematite), मैग्नेटाइट (Magnatite), लिमोनाइट (Limonite) तथा सिडेराइट (Siderite) हेमेटाइट- लाल एवं भूरे रंग का होता है। इसमें धातु का अंश 60 से 70 प्रतिशत होता है। यह सर्वोत्तम प्रकार का लौह अयस्क है। भारत में अधिकांश लोहा इसी किस्म का मिलता है। मैग्नेटाइट- काले रंग का चुम्बकीय लोहे का ऑक्साइड है। इसमें धातु का अंश 72 प्रतिशत तक होता है। यह आग्नेय शैलों में पाया जाता है। लिमोनाइट- ऑक्सीजन, पानी व लोहे के मिश्रण से बनता है। इसमें 40 से 60 प्रतिशत तक लोहा होता है। इसका रंग पीला होता है और अवसादी शैलों में यह पाया जाता है। सिडेराइट- उसे आयरन कार्बोनेट कहते हैं। यह लोहे तथा कार्बन के मिश्रण से बनता है। इसका रंग भूरा होता है। इसमें धातु का अंश 10 से 48 प्रतिशत तक होता है।

प्रश्न 13. तात्या टोपे की सन् 1857 की क्रांति में भूमिका को समझाइए।

उत्तर- तात्या टोपे- तात्याटोपे , 1857 के उन वीर सेनानियों में से एक थे , जिसकी आरम्भिक निष्ठा पेशवा परिवार के प्रति थी। तात्या टोपे अपनी देशभक्ति , वीरता, व्यूह रचना, शत्रु को चकमा देने की कुशलता, साधन हीनता की स्थिति में युद्ध जारी रखने का साहस , निर्भीकता। और गुरिल्ला पद्धति से युद्ध के लिए जाने जाते हैं। पेशवा नाना साहेब की ओर से युद्ध का समस्त उत्तरदायित्वं उनके स्वामीभक्त तात्याटोपे पर ही था। झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के साथ ग्वालियर पर अधिकार करने में तात्या टोपे का बड़ा योगदान रहा। रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु के पश्चात् तात्या ने निरन्तर गुरिल्ला युद्ध के . माध्यम से मध्यभारत और बुन्देलखण्ड में अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी। अंग्रेजों ने तात्या टोपे को बन्दी बनाने के लिए कुटिलता और विश्वासघात की नीति का पालन किया। अंततः तात्या टोपे को आरौन (जिला गुना) के जंगल में विश्राम करते समय बन्दी बनाया गया। अंग्रेजों ने 18 अप्रैल 1859 को तात्या टोपे को शिवपुरी में फाँसी दी।

अथवा

भारत में राष्ट्रीय जागृति के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- भारत में राष्ट्रीय जागृति में निम्नलिखित कारणों का महत्त्वपूर्ण योगदान था-

1. दूरसंचार तथा यातायात के साधनों का विकासदूरसंचार और यातायात के साधनों के विकास से भारतीयों को एक-दूसरे से मिलने-जुलने का अवसर मिला , जिसके कारण इनमें राष्ट्रीयता की भावना जागृत हुई।

2. राष्ट्रीय आन्दोलन का प्रारम्भ- अंग्रेज शासन की क्रूरता तथा अत्याचार ने समस्त भारतीयों में राष्ट्रीयता की भावना विकसित की। राष्ट्रीय नेताओं ने अपने विचारों और कार्यक्रमों से पूरे देश में राष्ट्रीयता की भावना विकसित करने में सहायता प्रदान की।

3. ब्रिटिश सरकार की आर्थिक शोषण की नीतिब्रिटेन में हुई औद्योगिक क्रान्ति के फलस्वरूप भारतीय उद्योग धंधों में असंतोष की स्थिति पैदा हो गई , भारत से निर्यात होने वाले माल पर चुंगी दर बढ़ा दी गयी , इंग्लैण्ड के कारखानों में निर्मित माल भारत के बाजारों में सस्ते दामों पर बेचा जाने लगा , जिससे दस्तकार बेरोजगार हो गये। अतः भारतीय आर्थिक दासता के बंधन से मुक्त होने के लिए उन्होंने संघर्ष किया।

प्रश्न 14. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के लिये उत्तरदायी कारणों का विवरण दीजिए।

उत्तर- सन् 1870 से 1880 तक भारतीय जनता राजनीतिक रूप से जागरूक हो चुकी थी और 1885 ई. तक एक अखिल भारतीय राजनीतिक संगठन की स्थापना का मंच तैयार हो चुका था। इस अखिल भारतीय संस्था को निश्चित स्वरूप प्रदान करने का श्रेय एक सेवानिवृत्त अंग्रेज अधिकारी ए.ओ.ह्यूम को दिया जाता है। ह्यूम उदारवादी व्यक्ति थे। ह्यूम ऐसे राजनीतिक संगठन की आवश्यकता अनुभव कर रहे थे, जो शासक व शासित वर्ग के बीच की खाई को भर सके। ह्यूम जनता को हिंसा और विद्रोह के मार्ग के स्थान पर वैधानिक राजनीति को मार्ग पर ले जाना चाहते थे। ह्युम के प्रयत्नों से 'इण्डियन नेशनल यूनियन' नामक संस्था का जन्म हुआ।

इतिहासकारों का कहना है कि ह्यूम और उसके साथियों ने अंग्रेजी सरकार के इशारे पर ब्रिटिश साम्राज्य की सुरक्षा कवच के रूप में कांग्रेस की स्थापना की। छूम नहीं चाहते थे कि सरकार के असन्तोष से नाराज जनता हिंसा का मार्ग अपनाएँ अतः वे जनता को हिंसा के मार्ग की अपेक्षा वैधानिक मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करना चाहते थे। संवैधानिक मार्ग से आशय है- प्रार्थना-पत्रों, स्मृति-पत्रों और प्रतिनिधि मण्डलों के माध्यम से ब्रिटिश सरकार को प्रभावित कर अपनी माँगे पूर्ण करवाना। http://www.mpboardonline.com

कांग्रेस के नेताओं ने कांग्रेस की स्थापना में ए.ओ.यूम का नेतृत्व स्वीकार किया , क्योंकि वे तत्कालीन परिस्थितियों में ब्रिटिश सरकार के साथ खुला संघर्ष करने की स्थिति में नहीं थे। वे ब्रिटिश संरक्षण में कांग्रेस की स्थापना के विचार को लाभदायक मानते थे और ह्यूम के विचारों से पूर्णतः सहमत थे। व्यावहारिकता इसी में थी कि वे एक मंच तैयार करने में ह्यूम को सहयोग प्रदान करें जहाँ देश की समस्याओं पर विचार-विमर्श हो सके। कांग्रेस की स्थापना के लिए उस समय की राष्ट्रव्यापी हलचलें , देशभक्ति की भावना , विभिन्न वर्गों में व्याप्त बैचेनी, ब्रिटेन की उदारवादी पार्टी से भारतीयों को निराशा एवं विभिन्न राजनीतिक संगठनों द्वारा एक केन्द्र व्यापारी संगठन की आवश्यकता महत्वपूर्ण कारण थे। इसीलिए कुछ विद्वान इसे राष्ट्रीय चेतना की अभिव्यक्ति मानते हैं।"

अथवा

कांग्रेस की स्थापना के क्या उद्देश्य लिखिए।

उत्तर- कांग्रेस की स्थापना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित थे-

1. साम्राज्य के विभिन्न भागों में देश के हित के कार्यों में संलग्न ऐसे सभी व्यक्तियों में परस्पर घनिष्ठता और मित्रता को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करना, जो अत्यधिक उत्साही हैं।

2. अपने सभी देश-प्रेमियों में जाति , धर्म या प्रान्तीयता के सभी सम्भव पूर्वाग्रहों को सीधे मित्रतापूर्ण व्यक्तिगत संपर्क से दूर करना और राष्ट्रीय एकता की उन भावनाओं को पूरी तरह विकसित और संगठित करना, जिनका जन्म लॉर्ड रिपन के शासन काल के दौरान हुआ था।

3. तत्कालीन महत्वपूर्ण और ज्वलन्त सामाजिक समस्याओं के बारे में शिक्षित वर्ग के परिपक्व व्यक्तियों के साथ पूरी तरह से विचार-विमर्श करने के बाद बहुत सावधानी से इनका प्रमाणित लेखा-जोखा तैयार करना।

4. जिन दिशाओं में और जिस तारीख से अगले बारह महीनों में देश के राजनीतिज्ञों को लोकहित के लिए कार्य करना चाहिए, उनका निर्धारण करना।

प्रश्न 15. भारत में लोहा-इस्पात उद्योग के उत्पादन एवं वितरण के वर्णन कीजिए।

उत्तर- लोहा-इस्पात का उत्पादन- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत के लोहा-इस्पात उद्योग के व्यवस्थित विकास से उत्पादन में निरन्तर प्रगति हुई है। पिछले कुछ दशकों में उत्पादन में तीव्र वृद्धि हुई है। 1970-71 उत्पादन में 70 लाख टन था, जो बढ़कर 2005-06 में 492 लाख टन हो गया। इस्पात उत्पादन की दृष्टि से भारत का विश्व में नौवाँ स्थान है।

भारत में लोहा-इस्पात उद्योग मुख्यतः चार क्षेत्रों में वितरित है-

(i) कोयला क्षेत्रों में स्थित इस्पात केन्द्र- बर्नपुर, हीरापुर, कुल्टी, दुर्गापुर तथा बोकारो।

(ii) लौह-अयस्क क्षेत्रों में स्थित इस्पात केन्द्र भिलाई, राउरकेला, भद्रावती, सलेम, विजय नगर और चन्द्रपुर लौह-अयस्क खानों के समीप स्थित हैं।

(iii) कोयला व लौह-अयस्क के बीच जोड़ने वाले परिवहन सुविधा प्राप्त स्थानों पर स्थित इस्पात केन्द्र जमशेदपुर।

(iv) तटीय सुविधा स्थल पर स्थित इस्पात केन्द्र विशाखापट्टनम।

अथवा

प्रदूषण से मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? बताइए।

उत्तर- प्रदूषण से मानव जीवन पर निम्नांकित दुष्प्रभाव पड़ता है-

(i) प्रदूषित वायु मानव की श्वसन क्रिया को क्षति पहुँचाती है। इससे दमा , निमोनिया, गले में दर्द, खाँसी के साथ ही कैंसर, मधुमेह और हृदय रोग जैसे घातक रोग होते हैं तथा हानिकारक गैसों का वायुमण्डल में अधिक मिश्रण भीषण हादसों को जन्म देता है , जिससे मनुष्य मौत के शिकार हो जाते हैं-

(ii) प्रदूषित पेय जल अनेक रोगों के कीटाणु , विषाणु मनुष्य के शरीर में पहुँचाकर रोगों को उत्पन्न कर देता है। प्रदूषित जल के सेवन से पेचिश, हैजा, अतिसार, टायफाइड, चर्मरोग; खाँसी, जुकाम, लकवा, अन्धापन, पीलिया व पेट के रोग हो जाते हैं।

(iii) गंदगी के क्षेत्रों एवं प्रदूषित चीजों पर मक्खी , मच्छर, कीड़े आदि पनपते हैं। गन्दगी युक्त वातावरण में अनेक कीटाणु पैदा होते हैं , जो मनुष्य के लिए पेचिश , तपेदिक, हैजा, आँतों के रोग, आँखों में जलन आदि रोगों हेतु उत्तरदायी होते हैं।

(iv) ध्वनि प्रदूषण का सर्वाधिक प्रभाव सुनने की शक्ति पर पड़ता है। अत्यधिक शोर से व्यक्ति बहरा हो जाता है। इसके अतिरिक्त ईससे रक्तचाप , सिरदर्द, घबराहट आदि रोग भी मनुष्य में पनप जाते हैं।

प्रश्न 16. परिवहन के साधन मानव सभ्यता की प्रगति के पथ-प्रदर्शक कैसे हैं? लिखिए।

उत्तर- आधुनिक औद्योगिक समाज के लिए परिवहन के साधन मानव सभ्यता की प्रगति के पथ-प्रदर्शक बन गये हैं, जिसके निम्नांकित कारण हैं-

(i) सड़कें, रेलें, जलमार्ग, वायुमार्ग एवं इनके साधन मण्डी के लिए कृषि उपजें , उद्योगों के लिए कच्चामाल, उपभोक्ताओं के लिए तैयार माल , व्यापारियों को दूरस्थ माल आदि सुलभ कराते हैं। हमारी छोटी-छोटी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति इन साधनों से ही सम्भव होती है।

(ii) परिवहन के साधन भारतीय राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ आधार प्रदान करते हुए सद्भाव एवं भाईचारे को जागृत कर देश को एकता के सूत्र में बाँधने का कार्य भी करते हैं। भारत के विस्तृत विस्तार, आर्थिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक बहुलता एवं विविधता , भाषायी, सांस्कृतिक तथा वैचारिक व भौगोलिक दूरी से राष्ट्रीय एकता के खंडित होने का खतरा लगातार बना रहता है। परिवहन के साधन वैचारिक व भौगोलिक दूरियों को सीमित करके राष्ट्रीय एकता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(iii) परिवहन के साधन राष्ट्रीय प्रगति व समृद्धि के सूचक हैं। इनसे ही माल व यात्रियों की ढुलाई नियमित, विश्वसनीय व तीव्रगामी होती है। http://www.mpboardonline.com

(iv) परिवहन व संचार के द्रुतगामी व सक्षम साधनों के द्वारा दुनिया बहुत छोटी हो गयी है। किसी एक देश के बाजारों में हुए परिवर्तन का प्रभाव अन्य देशों के बाजारों पर अवश्य पड़ता है। दुनिया के लोगों की परस्पर निर्भरता को परिवहन के साधन सुलभ बना देते हैं।

(v) परिवहन के साधन , प्राकृतिक आपदाओं जैसे- अकाल , बाढ़, महामारी, अतिवृष्टि, अनावृष्टि आदि के समय भी समाज की मदद करते हैं।

http://www.mpboardonline.com

अथवा

किन्हीं चार संचार साधनों के बारे में लिखिए।

उत्तर- 1. सेल्यूलर फोन- यह एक बेतार (वायर लैस) फोन है। इससे फोन कर सकते हैं तथा फोन भी प्राप्त कर सकते हैं। सन् 2006 तक देश में सेल्यूलर का उपयोग करने वालों की संख्या 3.1 करोड़ हो चुकी थी।

2. तार- यह स्वदेश भेजने को एक प्रणाली है। इसके लिए बिजली के माध्यम से स्वदेश एक स्थान से दूसरे स्थान तक डेसी मशीन द्वारा भेजे जाते हैं। सभी देश तार भेजने लिए मोर्स कोड नामक सांकेतिक भाषा का प्रयोग करते हैं।

3. फैक्स- यह लिखित संदेश भेजने या प्राप्त करने का साधन है। इसमें फैक्स मशीन को टेलीफोन-1 से जोड़ देते हैं। यह मशीन उस संदेश को कागज पर हू-ब-हू छाप देती है। साथ ही भेजने वाले का टेलीफोन नंबर, पता व समय लिख देती है।

4. इन्टरनेट- इन्टरनेट इन्टरनेशनल नेटवर्क का संक्षिप्त नाम है। इस सेवा से कोई भी व्यक्ति घर बैठे देश विदेश की 13 प्रत्येक घटना को देख सकता है व संपर्क कर सकता है। विश्व भर के लाखों कम्प्यूटर सूचना केन्द्रों से प्राप्त सूचनाओं व आँकड़ों को अपनी भाषा से सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 17. आपदा प्रबन्धन से क्या आशय है? आपदा प्रबन्धन के मुख्य तत्व बताइए।

उत्तर- आपदा प्रबन्धन- आपदा प्रबन्धन क्रियाकलापों की वह श्रृंखला है , जो आपदा से पहले और उसके बाद ही नहीं बल्कि एक-दूसरे के समानान्तर भी चलती रहती है। इसका प्रमुख उद्देश्य आपदा की रोकथाम तथा आपदा के दुष्प्रभाव को कम करना होता है।

आपदा प्रबन्धन के मुख्य तत्व निम्न हैं-

(1) पहले से तैयारी। (2) जवाबी कार्यवाही। (3) सामान्य जीवन स्तर पर लौटना और पुनर्वास। (4) रोकथाम और दुष्प्रभाव को कम करने के लिए योजना।

अथवा

सुनामी से क्या आशय है? भारत में सुनामी प्रभावित क्षेत्र कौन-से हैं?

उत्तर- भूकम्प और ज्वालामुखी से महासागरीय धरातल में अचानक हलचल पैदा होती है और महासागरीय जल का अचानक विस्थापन होता है। परिणामस्वरूप समुद्री जल में ऊर्ध्वाधर ऊँची तरंगें पैदा होती हैं , इन्हें सुनामी या भूकम्पीय समुद्री तरंगे या लहरें कहा जाता है। भारत में सुनामी प्रभावित क्षेत्र- चैन्नई के तटीय क्षेत्र , अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह , पांडिचेरी, तमिलनाडु के तटीय क्षेत्र, इंदिरा पाईन्ट आदि हैं।

प्रश्न 18. असहयोग आन्दोलन क्यों प्रारम्भ हुआ ? इसे क्यों स्थगित किया गया ? इसके क्या प्रभाव पड़े?

उत्तर- देश को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से महात्मा गाँधी ने सन् 1920 में असहयोग आन्दोलन प्रारम्भ किया था। यह आन्दोलन देशभर में फैल गया था। इसे व्यापक जनसमर्थन मिला था। हजारों व्यक्ति जेल गए। प्रत्येक वर्ग ने अंग्रेजों के शासन के प्रति असहयोग करना शुरू कर दिया। महात्मा गाँधी अहिंसा में विश्वास रखते थे जब उ. प्र. में चौरी-चौरा नामक स्थान पर हिंसा भड़ गई और भीड़ ने 29 अंग्रेजों को जलाकर मार डाला, तब गाँधीजी ने अचालक आन्दोलन को स्थगित कर दिया। आन्दोलन स्थगित किए जाने से निराशा छा गई। बाद में बाबू चितरंजन दास के नेतृत्व में स्वराज्य दल का गठन किया गया।

अथवा

साइमन कमीशन कब और क्यों भेजा गया था ? भारतीयों द्वारा इसका विरोध क्यों किया गया?

उत्तर- 8 नवम्बर को भारत के वायसराय लॉर्ड इरविन ने एक कमीशन नियुक्त किया था, जिसके अध्यक्ष सर जॉन साइमन थे, जिनके नाम पर इसे साइमन कमीशन कहा गया। सन् 1919 के भारतीय शासन अधिनियम के अनुसार अगले वर्षों में संवैधानिक परिवर्तनों के प्रश्न पर पुनर्विचार के लिए तथा आवश्यक सुझाव के लिए कमीशन भेजा। गया था। इस आयोग से जिस बातों को विचार करने को कहा गया था, इससे भारतीय जनता द्वारा स्वतन्त्रता पाने की जरा भी आशा नहीं की जा सकती थी। इस कमीशन में एक भी भारतीय नहीं था, इसलिए भारतीयों द्वारा साइमन कमीशन का बहिष्कार किया गया।

प्रश्न 19. भारत और चीन युद्ध के क्या परिणाम हुए? लिखिए।

उत्तर-भारत और चीन युद्ध के परिणाम निम्नलिखित हैं-

(अ) भारत-चीन संबंध तनावपूर्ण हो गए।

(ब) भारत के भू-भाग का एक बड़ा भाग चीन के कब्जे में चला गया।

(स) भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि एवं गुटनिरपेक्ष नीति आहत हुई।

(द) भारतीय विदेश नीति में आदर्शवाद के स्थान पर व्यावहारिकता और यथार्थवाद को स्थान मिला।

(ङ) भारतअमेरिका के संबंधों में सुधार हुआ।

अथवा

भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार से कबायलियों का मार्ग बंद करने को क्यों कहा था? लिखिए।

उत्तर- भारतीय प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने यह आश्वासन दिया था कि युद्ध समाप्ति के पश्चात् कश्मीर में जब शांति स्थापित हो जाएगी तब कश्मीर की जनता संग्रह के आधार पर यह तय करेगी कि वे किसके साथ मिलना चाहते हैं, परन्तु प्रारंभ में पाकिस्तान सरकार ने

आधिकारिक रूप से कश्मीर के बारे में कोई मत व्यक्त नहीं किया था, अतः भारत सरकार ने पाकिस्तान से कबायलिंयों का मार्ग बंद करने को कहा था।

प्रश्न 20. भारत का संविधान लिखित और विस्तृत क्यों है? वर्णन कीजिए।

उत्तर- भारत का संविधान बनाते समय संविधान निर्माताओं ने विश्व के विद्यमान संविधानों के सर्वोत्तम लक्षणों को एकत्रित किया तथा उन्हें अपने देश की आवश्यकता और विद्यमान दशाओं के अनुसार अंगीकृत किया। भारत का संविधान 2 वर्ष 11 माह और 18 दिन में निर्मित हुआ। इतने विशाल संविधान को अलिखित नहीं रखा जा सकता था। अतः भारत के संविधान को लिखित रूप प्रदान किया गया। भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा संविधान है। वर्तमान में इस संविधान में 395 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ हैं जो कि 22 भागों में विभक्त हैं इसलिए भारत का संविधान बहुत विस्तृत है।

अथवा

संघात्मक एवं संसदीय शासन व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

उत्तर- संघात्मक शासन व्यवस्था- भारतीय संविधान के प्रथम अनुच्छेद के अनुसार भारत राज्यों का एक संघ है। इस प्रकार भारत में संघात्मक शासन की स्थापना की गई है। संविधान ने शासन की शक्ति को एक स्थान पर केन्द्रित न कर केन्द्र और राज्य सरकारों में विभाजित किया है और दोनों ही अपने अपने क्षेत्र में स्वतंत्र है। संविधान लिखित और बहुत सीमा तक कठोर है और इसे सर्वोच्च स्थिति प्रदान की गई है। सर्वोच्च न्यायालय संविधान का रक्षक है जिसे संविधान की व्याख्या करने और केन्द्र व राज्यों के बीच उत्पन्न संवैधानिक विचारों के निर्णय का अधिकार है।

संसदीय शासन प्रणाली- भारतीय संविधान द्वारा देश में संसदीय शासन प्रणाली की स्थापना की गई है। इस शासन प्रणाली में कार्यपालिका की वास्तविक शक्तियाँ मंत्रिपरिषद में निहित होती हैं तथा राष्ट्रपति नाममात्र का शासक होता है। इस प्रणाली में मंत्रिपरिषद सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत का अनुसरण करती है। लोकसभा में सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित होने पर मंत्रिपरिषद को त्यागपत्र देना होता है।

प्रश्न 21. समाजवाद के प्रमुख दोष बतलाइए।

उत्तर-समाज के प्रमुख दोष निम्नलिखित हैं- http://www.mpboardonline.com

1. उपभोक्ता की संप्रभुता का अंत-समाजवादी प्रणाली में उपभोक्ता अपनी पसंद से वस्तुओं का उपभोग नहीं कर सकता। इसके अंतर्गत उपभोक्ता उन्हीं वस्तुओं और उतनी ही मात्रा का उपभोग करता है, जो राज्य उन्हें देता है। अतः समाज में उपभोक्ता की संप्रभुता समाप्त हो जाती है।

2. सत्ता का केन्द्रीयकरण-समाजवादी आर्थिक प्रणाली में शक्तियों का केन्द्रीयकरण हो जाता है। कारण यह है कि सभी आर्थिक क्रियाओं का संचालन सरकार के द्वारा होता है। सभी

http://www.mpboardonline.com

स्तरों पर सरकारी आदेशों को क्रियान्वित किया जाता है। अतः इस प्रणाली में सत्ता का पूर्णतः सरकार के हाथों में केन्द्रीयकरण हो जाता है तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता का कोई स्थान नहीं रहता।

3. उत्पादन कार्य में प्रेरणा का अभाव-समाजवाद में उत्पादन कार्यों पर सरकार का नियंत्रण होता है तथा व्यक्तिगत लाभ का कोई भी स्थान नहीं होता। ऐसी स्थिति में श्रमिकों को अधिक कार्य करने की कोई प्रेरणा नहीं मिलती।

4. व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभाव-समाजवादी अर्थव्यवस्था में सभी महत्वपूर्ण कार्य , जैसे उत्पादन की मात्रा , वितरण का आधार , वस्तु की कीमत आदि सरकार द्वारा किए जाते हैं। इस व्यवस्था में व्यक्ति की इच्छा का कोई स्थान नहीं होता। अतः समाजवाद में व्यक्तिगत स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है। 5. उत्पत्ति के साधनों का अविवेकपूर्ण उपयोगसमाजवाद में उत्पादन एवं वितरण से संबंधित सभी कार्य सरकार द्वारा किए जाते हैं। किन्तु इन कार्यों में अधिकारियों और कर्मचारियों को कोई व्यक्तिगत लाभ नहीं होता। फलतः त्वरित निर्णय नहीं लिए जाते जिससे उत्पत्ति के साधनों का उचित उपयोग नहीं हो पाता।

अथवा

समाजवादी आर्थिक प्रणाली क्या है? एवं इसकी विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर-"समाजवाद समाज की एक ऐसी आर्थिक प्रणाली है। जिसमें उत्पत्ति के भौतिक साधनों पर सामाजिक स्वामित्व होता है तथा उनका संचालन एक सामान्य योजना के अंतर्गत , सम्पूर्ण समाज के प्रतिनिधि एवं उसके प्रति उत्तरदायी संस्थाओं द्वारा किया जाता है। समाज के सभी सदस्य समान अधिकारों के आधार पर ऐसे नियोजन एवं समाजीकृत उत्पादन के लाभों के अधिकारी होते हैं।'

समाजवादी प्रणाली की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित-

1. उत्पादन के साधनों पर सामाजिक स्वामित्वसमाजवादी आर्थिक प्रणाली में उत्पत्ति के साधनों का प्रयोग सामाजिक कल्याण के लिए किया जाता है। इसमें व्यक्तिंगत। लाभ की भावना शून्य रहती है। इस प्रणाली: उत्पत्ति के साधनों का स्वामित्व , सरकार से समाज के पास होता है। इसलिए इस प्रणाली में आर्थिक शोषण की कोई संभावना नहीं रहती तथा सामाजिक कल्याण में वृद्धि होती है। http://www.mpboardonline.com

2. आर्थिक नियोजन-समाजवादी प्रणाली एक नियोजित प्रणाली होती है। इसमें केन्द्रीय नियोजन का महत्वपूर्ण स्थान होता है। उत्पादन से संबंधित सभी निर्णय केन्द्रीय नियोजन तंत्र द्वारा लिए जाते हैं। फलतः आर्थिक विकास भी तेजी से होता है।

3. आर्थिक समानता-इस प्रणाली में उत्पादन के साधनों पर राज्य का नियंत्रण होता है और साधनों का प्रयोग समाज के हित के लिए किया जाता है। इस प्रणाली में व्यक्तिगत लाभ को कोई स्थान नहीं होता। फलतः समाज में आर्थिक समानता पाई जाती है।

4. शोषण की समाप्ति-समाजवादी आर्थिक प्रणाली में उत्पादन एवं वितरण पर सरकार का स्वामित्व एवं नियंत्रण होता है। श्रमिकों को उनके श्रम का समुचित प्रतिफल दिया जाता है। उत्पादन में श्रमिकों की भागीदारी होती है और उन्हें लाभ में से पर्याप्त हिस्सा प्राप्त होता है। अतः इस प्रणाली में शोषण समाप्त हो जाता है।

5. जीवन निर्वाह के लिए श्रम की आवश्यकता- इस प्रणाली में प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवनयापन हेतु श्रम करना होता है। इससे दूसरों की आय पर जीवनयापन करने वाला वर्ग समाप्त हो जाता है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी योग्यता के अनुसार कार्य करता है और बदले में उसे अपनी आवश्यकतानुसार प्रतिफल प्राप्त होता है।

प्रश्न 22. भारत के मानचित्र में निम्नलिखित को दर्शाइए-

(i) दिल्ली, विशाखापटनम्, भिलाई, भोपाल, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता। (ii) चावल उत्पादक क्षेत्र (iii) सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान (चेरापूँजी)(iv) सांताक्रुज, पालम व दमदम हवाई अड्डा (v) अरब सागर (vi) थार का मरुस्थल (vii) चिल्का झील (viii) दिल्ली से कोलकाता रेलमार्ग (ix) आगरा से मुम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग।

उत्तर-

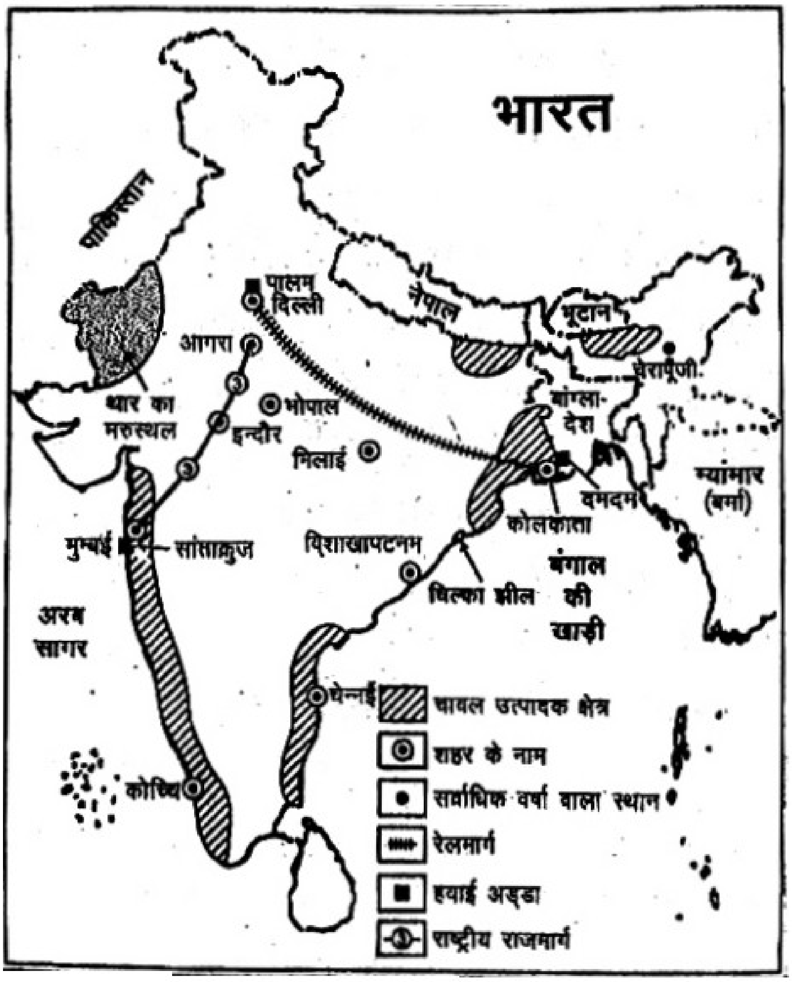

अथवा

निम्न मौसमी दशाओं को स्पष्ट करने हेतु संकेत बनाइए-

(1) प्रबल समीर, (2) सम झंझावत, (3) झंझा, (4) प्रबल झंझा, (5) पूर्ण झंझा।

उत्तर-

व्युफोर्ट संख्या	वायु का नाम	संकेत
1.	प्रबल समीर	
2.	सम झंझावत	
3.	झंझा	
4.	प्रबल झंझा	
5.	पूर्ण झंझा	

प्रश्न 23. स्वतन्त्रता संग्राम के इतिहास में 1929 के लाहौर अधिवेशन का क्या महत्व है?

उत्तर- दिसम्बर 1929 में लाहौर में कांग्रेस का अधिवेशन आरम्भ हुआ। इसके अध्यक्ष पं.जवाहरलाल नेहरू थे। उन्होंने घोषित किया कि "हमारे सामने एक ही ध्येय है और वह है। पूर्ण स्वाधीनता का। " इस अधिवेशन में कांग्रेस ने 'पूर्ण स्वाधीनता के प्रस्ताव को स्वीकार किया। 31 दिसम्बर, 1929 को कांग्रेस अध्यक्ष ने अर्द्धरात्रि में रावी के तट पर विशाल जन समूह के समक्ष 'पूर्ण स्वाधीनता का ध्वज फहराया। कांग्रेस ने 26 जनवरी, 1930 को पूर्ण स्वाधीनता दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया। अतः देश भर में स्वाधीनता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। दिसम्बर 1929 के लाहौर कांग्रेस अधिवेशन में कांग्रेस कार्यसमिति को सविनय अवज्ञा आन्दोलन आरम्भ करने की स्वीकृति दी गई थी। इसलिए लाहौर अधिवेशन स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में महत्वपूर्ण है।

अथवा

क्रिप्स मिशन को क्यों और कब भारत भेजा गया था?

उत्तर- द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों का सहयोग प्राप्त करने की इच्छा , युद्ध के मोर्चे पर मित्र राष्ट्रों की स्थिति खराब होने तथा विश्व जनमत के दबाव के कारण ब्रिटिश सरकार ने क्रिप्स को भारत बेजा। क्रिप्स ने 22 मार्च 1942 को भारत पहुँचकर सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श किया। भारत के वैधानिक गतिरोध को दूर करने के लिए क्रिप्स अपने साथ निश्चित प्रस्ताव लाया था। क्रिप्स के प्रस्ताव कांग्रेस को सन्तुष्ट नहीं कर सके , क्योंकि इसमें युद्ध के बाद औपनिवेशिक स्वराज्य देने की बात कही गई थी , जबकि कांग्रेस की माँग पूर्ण स्वराज्य की थी। http://www.mpboardonline.com

प्रश्न 24. भारत-चीन युद्ध में एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा चीन ने क्यों की ? वर्णन कीजिए।

उत्तर-चीनी फौजों ने 20 अक्टूबर 1962 को भारत-चीन सीमा पर तैनात भारतीय फौजों पर आक्रमण किया। अक्टूबर 1962 का भारत-चीन युद्ध कोई आकस्मिक घटनाक्रम नहीं था। यह सब उन घटनाओं की चरम परिणति थी जो तिब्बत संकट को देखने के बाद आई। चीन द्वारा मैकमोहन रेखा को अस्वीकार किया गया और यह आक्रमण लद्दाख के अक्साई चीन और पूर्व में नेफा (अब अरुणाचल प्रदेश) में व्यापक पैमाने पर हुआ। इस दौरान युद्ध विराम के सुझाव अवश्य सामने आए , किन्तु कोई समझौता नहीं हो सका। चीन ने 26 अक्टूबर 1962 को ऐक तीन सूत्रीय सुझाव दिया , जिसके जबाव में भारत ने सीमाओं पर यथास्थिति बनाये रखने का सुझाव दिया। अंत में चीन ने 21 नवम्बर 1962 को एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा

की। कई विद्वानों ने चीन के एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा से निम्न निष्कर्ष निकाले-

(अ) चीन अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना चाहता था।

(ब) चीन की नीति विस्तारवादी थी।

(स) चीन विश्व में अपनी आर्थिक व राजनैतिक सर्वोच्चता स्थापित करना चाहता था।

(द) चीन भारतीय गुटनिरपेक्षा की नीति को गलत बताना चाहता था।

(ङ) युद्ध विराम की घोषणा करके चीन विश्व समुदाय का समर्थन प्राप्त करना चाहता था।

अथवा

1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान की पराजय के क्या कारण थे?

उत्तर-1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान की पराजय के निम्नलिखित कारण थे-

1. पाकिस्तान सैनिक दृष्टि से भारत से कमजोर था।

2. पाकिस्तान का नैतिक पक्ष दुर्बल था। पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान के साथ , जो भेदभावपूर्ण नीति अपनायी थी, उसके परिणामस्वरूप वहाँ जन-आंदोलन आरंभ हुआ। बंगलादेश के निर्माण में बंगाली जनता प्राण-पण से अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रही थी।

3. पाकिस्तान की सैनिक तानाशाही प्रजातंत्रीकरण की प्रक्रिया की उपेक्षा कर रही थी। यह उपेक्षा उसे भारी पड़ी।

4. पूर्वी और पश्चिमी पाकिस्तान के मध्य दूरी के कारण पाकिस्तान पूर्वी पाकिस्तान तक सहजता से नहीं पहुँच सकता था। समुद्री मार्ग की भारतीय नौसेना ने घेराबंदी कर ली थी , अतः उसकी सेना को आपूर्ति बंद हो गयी। http://www.mpboardonline.com

5. पाकिस्तान के अत्याचारों से पीड़ित होकर लाखों की संख्या में शरणार्थी भारत आये।

इस कारण भारत को पाकिस्तान के मामले में हस्तक्षेप का मौका मिला।

प्रश्न 25. राष्ट्रपति के संकटकालीन अधिकारों का वर्णन करो।

उत्तर- राष्ट्रपति के संकटकालीन अधिकार निम्न हैं -

1. देश पर बाह्य आक्रमण , देश में होने वाले सशस्त्र विद्रोह , राज्यों में संवैधानिक व्यवस्था विफल होने पर या वित्तीय संकट आने पर राष्ट्रपति , आपातकाल लागू कर सकते हैं। मंत्रिमण्डल की सलाह पर ही राष्ट्रपति आपातकाल। की घोषणा कर सकते हैं- ऐसी किसी भी घोषणा पर दो माह के भीतर संसद के दोनों सदनों की पुष्टि आवश्यक है। इस अवस्था में संसद को सम्पूर्ण भारत अथवा उसके किसी भाग के लिए विधि निर्माण का अधिकार प्राप्त हो जाता है। संघ सरकार ऐसी स्थिति में राज्य सरकारों को आवश्यक आदेश दे सकती है।

2. राज्यपाल के प्रतिवेदन से या अन्य तरीके से राष्ट्रपति को यदि यह विश्वास हो जाता है कि किसी राज्य का प्रशासन, संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं चल रहा है , तब राष्ट्रपति केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की स्वीकृति से राज्यों में राष्ट्रपति शासन लागू कर सकता है। ऐसी अधिसूचना पर दो माह के भीतर संसद के दोनों सदनों की पुष्टि आवश्यक है। घोषणा अवधि में सम्बन्धित राज्य का सम्पूर्ण या आंशिक शासन राष्ट्रपति के हाथ में आ जाता है। राज्य के शासन संचालन का अधिकार वह राज्यपाल को सौंप सकता है। इस अवधि में प्रांतों की विधि निर्माण की शक्ति संसद को प्राप्त हो जाती है। इस अवधि में राज्यपाल उच्च न्यायालयों की शक्ति को छोड़कर राज्य की समस्त प्रशासकीय शक्तियों का प्रयोग कर सकता है।

3. जब राष्ट्रपति को यह विश्वास हो जाता है कि देश में गंभीर आर्थिक संकट पैदा हो गया है तो वह आर्थिक आपातकाल लागू कर सकता है।

अथवा

लोकसभा अध्यक्ष के कार्य बताइये।

उत्तर- लोकसभा अध्यक्ष के निम्नलिखित कार्य हैं-

1. सदन की कार्यवाहियों की अध्यक्षता करना।

2. सदन की कार्यवाही को संचालित करना।

3. सदन में शांति व्यवस्था स्थापित करना।

4. कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, यह निर्धारित करना।

5. लोकसभा की समितियों के अधिकारों का संरक्षण करना।

6. सदन में किसी विषय पर होने वाले विचार-विमर्श के लिए समय निर्धारित करना।

7. संसद के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता करना।

प्रश्न 26. बेरोजगारी के परिणाम बतलाइए।

उत्तर- बेरोजगारी के निम्न परिणाम हैं-

(1) मानव शक्ति का अपव्यय- कार्य करने योग्य व्यक्ति जब बेकार रहते हैं , तो उनका श्रम व्यर्थ जाता है। इस तरह से बहुत से बेरोजगारों की श्रमशक्ति का उपयोग नहीं हो पाता।

(2) आर्थिक विकास में बाधा- कृषि में निहित बेरोजगारी और अन्य बेरोजगारी से बचत शून्य हो जाती है, क्योंकि आय कम हो जाती है। पूंजी का निर्माण और विनियोग नहीं हो पाता। इससे देश के आर्थिक विकास में रुकावट आती है।

(3) संसाधनों की बर्बादी- देश में सरकार स्वास्थ्य और शिक्षा के लिये बहुत बड़ी धनराशि खर्च करती है। प्रशिक्षण पर भी खर्च होता है, परन्तु बेरोजगारी के कारण ये सब व्यर्थ हो जाता है।
(4) सामाजिक समस्याएँ- बेरोजगारी मानसिक और सामाजिक असंतोष को जन्म देती है। बेरोजगार असंतुष्ट और परेशान व अभावग्रस्त रहते हैं, इससे चोरी, डकैती, बेईमानी, शराबखोरी, नशा आदि बुराईयाँ समाज में बढ़ जाती हैं।

(5) राजनीतिक अस्थिरता- बेरोजगारी के कारण एक बड़ा जन समूह सरकार के विरूद्ध हो जाता है। उनमें असंतोष और आक्रोश उत्पन्न हो जाता है। ये स्थिति राजनैतिक अस्थिरता को जन्म देती है। सरकार पर सदा संकट बना रहता है।

अथवा

आतंकवाद को दूर करने के उपाय लिखिए। http://www.mpboardonline.com

उत्तर- आतंकवाद दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय-

(1) आतंकवाद को दूर करने के लिए सभी राष्ट्रों को मिलकर आतंकवाद का सामना करना चाहिए एवं आतंकवादियों से कोई समझौता नहीं करना चाहिए।

(2) आतंकवाद से निबटने के लिए कड़ा रूख अपनाना चाहिए।

(3) सम्पूर्ण देशवासियों को एकजुट होकर आतंकवाद का डटकर मुकाबला करना चाहिए।